Message

सत्यमेव जयते

मुख्य मंत्री
राजस्थान

17 NOV 2007

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राजस्थान विद्यार्थी गृह, मुम्बई की ओर से १५-१६ दिसम्बर, २००७ को अपना स्वर्ण जयंती महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह शुभ संकेत है कि इस अवसर पर एक भव्य स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

राजस्थानी देश विदेश में जहां कहीं भी गये हैं, वहां मौलिक परम्पराओं की रक्षा करते हुए उन्होंने अपने व्यावसायिक कौशल की अमिट छाप छोड़ी है। विशेषकर मारवाड़ी युवाओं ने व्यक्तिगत दक्षता का परिचय देते हुए अनेक जनकल्याणकारी कार्य किये हैं। उनकी इसी पहल से प्रेरणा लेकर आज समाज सेवा के क्षेत्र में कई संस्थाएं आगे आ रही हैं। मुम्बई में राजस्थानी विद्यार्थियों को अध्ययन एवं आवास की सुविधापूर्ण व्यवस्था सुलभ कराना वास्तव में गौरव की बात है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रचार माध्यमों से समाज सेवा में जुड़ी हुई संस्थाओं को और अधिक प्रेरित किया जाये। यह खुशी की बात है कि आपकी संस्था पिछले पचास वर्षों से इस दिशा में अग्रसर है।

आशा है स्मारिका ध्येयनिष्ठ सेवाभावी संस्था के सामाजिक सरोकारों को उजागर करेगी तथा साथ ही जनसाधारण के लिये भी उपयोगी एवं महत्वपूर्ण सिद्ध होगी ।

मै आयोजन की सफलता एवं प्रकाशन की सार्थकता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं ।

वसुन्धरा राजे

(वसुन्धरा राजे)